ओ बाईसा अब तो हमको बाबोसा के दर्श करा दो ना

ओ बाईसा अब तो हमको,
बाबोसा के दर्श करा दो ना,
दर्श के प्यासे नैन बावरे,
प्यास बुझा दो ना,
दर्श करा दो ना,
ओ बाईसा अब तो हमकों,
बाबोसा के दर्श करा दो ना।bd।

तर्ज – ओ कान्हा अब तो।

बाबोसा के दर्श बिना अब,
मिलता नही कही चेन,
प्रीत में पागल बनकर में तो,
रस्ता निहारु दिन रेन,
कैसे मिलेंगे बाबोसा हमको,
रस्ता दिखा दो ना,
दर्श करा दो ना,
ओ बाईसा अब तो हमकों,
बाबोसा के दर्श करा दो ना।bd।

बाबोसा से रिस्ता मेरा,
गहरा सागर से,
मिलेंगे बाबोसा मुझको,
मन उम्मीदों पे,
रह न सकू में दूर एकपल भी,
दूरी मिटा दो ना,
दर्श करा दो ना,
ओ बाईसा अब तो हमकों,
बाबोसा के दर्श करा दो ना।bd।

बाईसा गर आप बुलाओ,
दौड़ वो आयेंगे,
दिलबर बाईसा की कृपा से,
दर्श को पायेंगे,
बाबोसा से अर्जी बाईसा,
आप लगा दो ना,
दर्श करा दो ना।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ओ बाईसा अब तो हमकों,
बाबोसा के दर्श करा दो ना।bd।

ओ बाईसा अब तो हमको,
बाबोसा के दर्श करा दो ना,
दर्श के प्यासे नैन बावरे,
प्यास बुझा दो ना,
दर्श करा दो ना,
ओ बाईसा अब तो हमकों,
बाबोसा के दर्श करा दो ना।bd।

गयिका – दिव्यांशी बाम्बीवाल।
रचनाकार – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
नागदा जक्शन, म.प्र. 9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com